सोशियल एक्शन एण्ड मोबाईलाजेशन पार्टीसिपेटरी रूरल कम्यूनिटी ;सम्पर्कद्ध संस्था परबतसर जिला नागौर

Annual Report
2010-2011

संस्था की पृष्ठ भूमि

संस्था की औपचारिक शुरूआत वर्श 2005 से हुई परन्तु संस्था सचिव एवं अन्य कार्यकारिणी के सदस्यों ने वर्श 2004 सें ही गाँवों में समुदाय के साथ रिश्ते बनाना प्रारम्भ कर दिया था । गाँव के लोगों के साथ विभिन्न मुद्दों पर

बैठकें करना,इन बैठकों में सरकारी कार्यक्रमों की जानकारी देना एवं कार्यक्रमों सें वंचित वर्ग लोगों को जोड़ना जैसे काम किए गए ।

इसी दौरान संस्था से जुड़े लोगों ने संस्था बनाने की सोची 9 मार्च 2005 में संस्था का रजिस्ट्रेशन हुआ एवं व्यवस्थित रूप सें कार्य कार्य करना प्रारम्भ किया । वर्श 2005 से वर्श 2006 तक संस्थान ने अपना सम्पूर्ण ध्यान महिलाओं सेसंबंधित मुद्दों,जल प्रबन्धन,स्वास्थ्य से सम्बधित जागरूकता एवं अधिकार आधारित अप्रोच पर कार्य किया । काम करते हुए लोगों की आवश्यकताऐं एवं प्राथमिकताऐं भीं समझ आने लगी ।

परबतसर क्षैत्र में पानी की समस्या भीं दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, पानी की कमी,मीठे पानी की अनुपलब्धता एवं फ्लोराइडयुक्त पानी पीना ग्रामिणों की मजबुरी हैं । साथ ही वंचित वर्ग (अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति व महिलाऐं) की आत्मछवि का प्रश्न लम्बे समय से चला आ रहा हैं । इन मुद्दों पर काम करने में संस्था सक्षम भीं हैं अतः संस्था ने अपने काम में इन मुद्दों को शामिल किया

प्रक्रिया की शुरूआत हो सकती है जेण्डर संवेदनशीलता संस्था की हर गतिविधि में दिखाई देता हैं । संस्था का यह भीं मानना है कि जाती,धर्म,गरीबी व अमीरी के आधार पर तो वंचितता हैं ही पर जेण्डर के आधार पर वंचितता भीं हर जगह दिखाई देती हैं ।

संस्था सचिव ने सम्पर्क संस्था का शुभारम्भ करने से पूर्व लगभग 20 वर्श तक विभिन्न गैर सरकारी संगठनों में कार्य किया,जैसे–समाज कार्य एवं अनुसंधान केन्द्र खोरी (हरीयाणा) ,सोशियल एक्शन फॉर रूरल एडवान्समेट(सारा) एकट बोधग्राम कुकनवाली इत्यादी संस्थाओं में काम किया हैं । इन संस्थाओं में रहते हुए विभिन्न परियोजनाओं को समन्वयन करने का मौका मिला यथा सारा संस्था रहते हुए सेव दा चिल्ड्रन फण्ड के आर्थिक सहयोग से जयपुरजिले की दूदू पंचायत समिति में चले बाल केन्द्रित सूखा पूर्व तैयारी कार्यक्रम को 2 वर्श तक प्रोजेक्ट ऑफिसर के रूप में प्रोजेक्ट को समन्वयन किया । इन संस्थाओं में चल रहे विभिन्न परियोजनाओं में रहते हुए शिक्षा,स्वास्थ्य,रोजगाार,पानी,स्वयं सहायता समूह एवं महिलाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों को समझने का मौका मिला।

गाँवों में महिलाओं की स्थिति पुरानी परम्पराओं के चलते अच्छी नही हैं । चुँकि संस्था सचिव एक महिला है एवं महिलाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर कार्य करती हैं । अतः जेण्डर सें सम्बधित मुद्दों को संस्था ने अपने केन्द्र में रखा हैं। संस्था ने बालिका शिक्षा,महिला स्वास्थ्य,कन्या भ्रुण हत्या इत्यादि गैर बराबरी के मुद्दों पर विभिन्न स्तर पर काम किया हैं ।

संस्था अध्यक्ष व संस्था सचिव द्वारा अरूणा रॉय(मजदुर किसान शक्ति संगठन) एवं इनके संगठन द्वारा चलाये जा रहे रोजगार गांरटी कार्यक्रम एवं सुचना के अधिकार जैसी मुहिम के तहत व्यक्तिगत स्तर पर भागीदारी दी हैं एवं इनके विचारों एवं कार्यप्रणाली से प्रभावित हैं ।

परबतसर तहसील के 30 गाँवों में संस्था ने विगत 4 वर्शो में उपरोक्त मुद्दों पर कार्य किया हैं । 73वें संविधान संशोधन जिसमें पंचायतीराज व्यवस्था में अनु. जाति,अनु. जन. जाति एवं महिलाओं की भागीदारी को सुदृढ़ करना हैं।संस्था का मानना है उक्त संशोधन से गाँव के विकास में सकारात्मक परिवर्तन होगा । 73वें संविधान संशोधन के तहत संस्था के एजेंडें के बहुत निकट हैं । संस्था ने पंचायतीराज चुनाव 2010 में पंचायतीराज व्यवस्था के चुनाव में सकारात्मक भूमिका निभाई हैं ।इन चुनावों में जागरूकता लाने हेतु स्वयं सहायता समूहों की भूमिका महत्वमूर्ण रही हैं । वोट डालने के अधिकार,अच्छे प्रत्याक्षी को बैझिझक वोट डालना,प्रलोभनों से दुर रहना जैसे मुद्दों को ने संस्था अपने संगठनों के माध्यम से उठायें

संस्था द्वारा परबतसर पचांयत समिति की विभिन्न ग्राम पंचायतों में मातृत्व स्वास्थ्य एवं लिंग चयन के मुद्दों से सम्बधित जागरूकता एवं विभिन्न बैठको के माध्यम से सकारात्मक भूमिका निभाई ।

संस्थान द्वारा नेटवर्किंग

संस्था ने अन्य संस्थाओं के साथ नेटवर्किंग करते हुए कार्य किया हैं। सरकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं का लाभ ग्रामिणों को मिले इसके लिए ब्लोक स्तर के लगभग सभी विभागों के साथ नेटवर्किंग की हैं। संस्था द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों में सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों की यथोचित सहभागिता मिलती रही हैं। संस्था द्वारा की गई गतिविधियों को मिडिया (अखबार) में स्थान मिला हैं। इस तरह के सहयोग से संस्था ना केवल प्रोत्साहित होती है अपितु उत्साह के साथ क्षेत्र में काम कर रही हैं ।

संस्थान की अन्य सहयोगी संस्थाएं :–

1. कट्स,जयपुर
2. वन एवं पर्यावरण मंत्रालय,भारत सरकार
3. नाबार्ड–भारत सरकार
4. आस्था संस्था,उदयपुर
5. प्रिया संस्था,जयपुर
6. अलारिपु संस्था,जयपुर
7. अनु.जाति,अनु.जन.जाति वित एवं विकास निगम लिमिटेड,नागौर

2010–2011 में संचालित कार्यक्रम

कार्यक्रम

1. मातृत्व स्वास्थ्य एवं लिंग चयन मुद्दों पर पंचायतों का सशक्तिकरण
2. सवयं सहायता समूह
3. महिला सशक्तिकरण
   (क) सिलाई कार्य में दक्षता विकास प्रशिक्षण
   (ख) ब्युटी पार्लर कार्य में दक्षता विकास प्रशिक्षण
4. बाल अधिकारों के संरक्षण हेतु ग्राम पंचायतों का सर्वे
5. सूक्ष्म बीमा योजना
6. राश्ट्रिय पर्यावरण जागरूकता अभियान

कार्यक्रम की विस्तृत रिर्पोट :–

(क) महिला पंच सरपंच संगठन का क्षमतावर्धन कार्यक्रम –इस कार्यक्रम के दौरान आस्था के सहयोग संस्था द्वारा परबतसर व मकराना ब्लॉक में संयोजक मण्डल (महिला पंच सरपंच संगठन) का निर्माण किया साथ ही मकराना ब्लॉक में महिला पंच सरपंच संगठन की क्षमतावर्धन हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम का उदेश्य महिलाओं कों प्राप्त 50 प्रतिशत आरक्षण को प्राप्त करने के लिए आगे लाना हैं।

एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लेती महिला वार्ड पंच एवं सरपंच

(ख) पंचायतों का जेण्डर सम्बधित सशक्तिकरण – प्रिया संस्थान जयपुर द्वारा प्रायोजित व संस्था द्वारा आयोजित मातृत्व स्वास्थ्य एवं लिंग चयन के मुद्दों पर पंचायतों के सशक्तिकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा हैं। जिसमें परबतसर ब्लॉक की 20 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया हैं। इस कार्यक्रम के दौरान सभी ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधि ;टैम्ब्द्ध ग्राम स्वास्थ व स्वच्छता समिति व स्थायी समिति के सदस्यों के साथ बैठकों का आयोजन किया । ग्राम पंचायतों की ;च्भ्ब्ब् द्ध प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो व आँगनबाड़ी केन्द्रो का नेतृत्व किया गया तथा इन केन्द्रों पर उपलब्ध जन सेवाओं से सम्बन्धित विवरण प्राप्त किया तथा ;थ्वतउंजमद्ध प्रपत्र भरें

पंचायत समिति परबतसर के सरपंच एवम् ए.एन.एम.ओ की एक दिवसीय कार्यशाला में जेण्डर के मुद्दो पर पंचायतो के सशक्तिकरण हेतु बोलते संस्था सचिव सुशीला चौहान

ग्राम पंचायतों की मिटिंगो के दौरान पंचायतों की कार्यस्थिति के बारे में अवलोकन किया जनप्रतिनिधियों व स्थायी समिति के सदस्यों को उनकी भूमिकाओं व कर्तव्यों के बारे में बताया ।

(ग) प्रिया संस्थान जयपुर द्वारा प्रायोजित व संस्था द्वारा आयोजित राजस्थान में पंचायतों का जेण्डर सम्बन्धित मुद्दों पर सशक्तिकरण कार्यक्रम के अर्न्तगत परबतसर व मकराना पंचायत समिति की सघन व असघन ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया । इस कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि ;टैम्टद्ध ग्राम स्वाास्थ्य व स्वच्छता समिति व स्थायी समिति के सदस्यों के साथ कार्यशालाओं का आयोजन किया गया ।

ग्राम पंचायत एवम् वी.एच.एस.सी. के साथ बैठक करते संस्था कार्यकर्ता

जनप्रतिनिधियो की एकदिवसीय कार्यशाला को सम्बोधित करते – अहमद तहरिम प्रिया जयपुर

2. <u>महिला क्षमता वर्धन कार्य</u> –

(क) हस्तशिल्प कला–सजावटी मेला – नाबार्ड द्वारा जवाहर कला केन्द्र जयपुर में हस्तशिल्प कला से बना सजावटी सामान के मेले का आयोजन किया गया इस मेले में सम्पर्क संस्था के सहयोग से ग्राम भादवा व दिलढ़ाणी के स्वयं सहायता समूह के दो सदस्यों स्वयं द्वारा बनाया हस्त निर्मित सजावटी सामान को मेले मे सम्मिलित किया । यह मेला औरतों को हस्तशिल्प कला के प्रति प्रोत्साहित के लिए लगाया गया । इसके द्वारा औरतों को रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया गया हैं ।

नाबार्ड द्वारा जवाहर कला केन्द्र में हस्तशिल्प कला का डेकोरेशन करती स्वयं सहायता समूह की महिला

(ख) स्वयं सहायता समूह– सम्पर्क संस्था द्वारा 24 स्वयं सहायता समूह का गठन करके समूहों को नियमित रू‍ से बैंको से जोड़ने तथा प्रतिमाह इन समूहों की मासिक बैंठको का आयोजन करके बचत को वितरित कर दी जाती है साथ ही समूह में आने वाली समस्याओं को सुलझाया,मिटिंगों के दौरान समूह के सदस्यों में आपसी विश्वास को बेहतर बनाया गया । समूहों को बैंको से ऋण दिलवाया तथ समय पर ही ऋण का भुगतान करने की प्रक्रिया को बेहतर बनाया।

स्वय सहायता समूह की बैठक करते संस्था कार्यकर्ता

संस्था द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह –

क्र.सं.	गांव का नाम	समूह का नाम	क्र.सं.	गांव का नाम	समूह का नाम
1.	भादवा	नागणेच्या	13ण	बागोट	जीजा बाई
2ण	भादवा	चारभुजा	14ण	कंवलाद	मंजू
3ण	भादवा	बालाजी	15ण	गांगवा	संध्या

4ण	श्यामपुरा	वीर तेजाजी	16ण	अडाणी	श्राधा कृश्ण
5ण	श्यामपुरा	कमला	17ण	गुढ़ा फांका जाका	हस्तकलां
6ण	रूणिजा	लक्ष्मी	18ण	गिंगोली	दीपावली
7ण	रूणिजा	सरस्वती	19ण	गिंगोली	महालक्ष्मी
8ण	रूणिजा	भंवरी	20ण	भादवा	एकता
9ण	रूणिजा	बालाजी	21ण	दिलढ़ाणी	बालाजी
10ण	रूणिजा	जगदम्बा	22ण	दिलढ़ाणी	गणेश
11ण	रोहिन्डी	गीता	23ण	दिलढ़ाणी	सरस्वती
12ण	रोहिन्डी	लक्ष्मी	24	दिलढ़ाणी	धनलक्ष्मी

महिला सशक्तिकरण :–

भारत देश पुरूश प्रधान देश हाने कारण महिलाओं के विकास पर कम ध्यान दिया जा रहा हैं। संस्था द्वारा गांव में मौजूदा सभीं जातियों की महिलाओं के साथ काम किया जा रहा हैं। स्वर्ण विशेशकर राजुपत महिलाऐं एवं अनुसूचित जाति,अनुसूचित जन जाति की महिलाऐं दोनों तरह की महिलाओं के साथ काम करने की चुनौतिया अलग–अलग हैं। राजुपत महिलाऐं परम्पराओं एवं रूढ़ियों से बंधी हुई हैं घर से बाहर निकलना बहुत कम हैं। पर्दाप्रथा व्यवस्था बहुत गहरे से बैठी हुई है,पुरूशो का वर्चस्व बहुत अधिक दिखाई देता हैं।

महिला सशक्तिकरण – महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने व रोजगाार के लिए आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से निम्न कार्यक्रम चलाये गये–

(क) नाबार्ड द्वारा सहयोग–सिलाई प्रशिक्षण–

नाबार्ड के सहयोग संस्था द्वारा आयोजित सिलाई प्रशिक्षण–यह कार्यक्रम ग्राम खोखर में चलाया गया। यह प्रशिक्षण शिविर रोजगार से वंचित महिलाओं के लिए दक्षता विकास हेतु चलाया गया। इस शिविर के दौरान 25 महिलाऐं लाभान्वित हुई ।

ग्राम खोखर में सिलाई केन्द्र का अवलोकन करते अधिकारी श्री आर.के. सिरोहा नाबार्ड नागौर

(ख) सिलाई व ब्युटी पार्लर प्रशिक्षण–

वित एवं विकास निगम नागौर के सहयोग से सम्पर्क संस्था द्वारा अनु.जाति,अनु.जन जाति की महिलाओं के लिए ग्राम गुलर में सिलाई दक्षता विकास प्रशिक्षण शिविर व ग्राम बागोट में ब्युटी पार्लर दक्षता विकास प्रशिक्षण शिविर चलाये गये। इन दोनो प्रशिक्षणों से 50 महिलाऐं लाभान्वित हुई। यह प्रशिक्षण केवल अनु.जाति,अनु.जन जाति की महिलाओं के लिए चलायें गये क्योकी संस्था के कार्यक्षैत्र में अनु.जाति,अनु.जन जाति की महिलाओं की आर्थिक स्थिती दयनीय हैं। इन शिविरों में प्रशिक्षण प्राप्त करके यें महिलायें स्वयं का रोजगार कर सकती हैं ।

ग्राम गूलर एवम् बागोट में सिलाई एवम् ब्यूटी पार्लर केन्द्रो का अवलोकन करते अधिकारी श्री इकबाल खान नागौर

4. **बाल अधिकारों के संरक्षण हेतु ग्राम पंचायतों का सर्वे**–संस्था ग्राम पंचायत गांगवा में बाल अधिकारों के संरक्षण हेतु बच्चों के शिक्षा के अधिकारों को लेकर सर्वे किया। सर्वे के दौरान दो मुद्दों को प्राथमिकता दी गई

(1) 6–14 वर्श तक के बच्चों का स्कुलों में नामाकंन–इस सर्वे के दौरान यह पता लगाया गया कि 6–14 वर्श के कितने बच्चों का नामाकंन स्कुल में हुआ हैं तथा कितने बच्चें स्कुली शिक्षा से वंचित हैं। शिक्षा से वंचित बच्चों के माता–पिता सें मिलकर बच्चों को स्कुल से जोड़नें का प्रयास किया । इसके लिए कार्यक्षैत्र गांव गांगवा में घर–घर जाकर सर्वे किया

(2) स्कुलों का सर्वे–संस्था द्वारा ग्राम पंचायत गांगवा में स्कुलों का सर्वे भीं किया किया गया। सर्वे का मुख्य उदेश्य स्कुलों में उपलब्ध शिक्षा से सम्बधित सुविधाओं के बारे में आंकड़े इकट्ठा करना था। सर्वे के दौरान प्राप्त आंकड़ो के आधार पर स्कुल की शिक्षा प्रणाली व व्यवस्था में सुधार किया ।

5. **सूक्ष्म बीमा योजना**–संस्था द्वारा गरीब रेखा के लोगों में सूक्ष्म बचत को प्रोत्साहन देने तथा लोगों को दुर्घटना से हाने वाली क्षति–पूर्ति में आर्थिक सहायता प्रदान करवानें के उद्देश्य से सूक्ष्म बीमा योजना को प्राथमिकता दी । कार्यक्षैत्र के लोगों का जीवन स्तर सामान्य है इसलिए सूक्ष्म बचत योजना के माध्यम भविश्य में आने वाली आर्थिक समस्याओं का सामना करने में सक्षम बनाने के लिए संस्था ने यह कार्य प्रारम्भ किया ।

6. **राश्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान**– कट्स के सहयोग से संस्था द्वारा ग्रामीण पुरूश,महिला एवं विधार्थीयों में प्र्यावरण के प्रति जागरूकता व पर्यावरण के प्रति जागृति को बढ़ानें के लिए परबतसर ब्लॉक राश्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया ।
इस अभियान के माध्यम से ग्रामिण लोगों में पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागृति उत्पन्न की गई तथा पैड़–पौधों को नश्ट करनें से होने वाली क्षति से अवगत कराया गया । आमजन को वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित किया गया ।

कार्यक्रम के माध्यम से निम्न गतिविधियां आयोजित की

कार्यक्रम	स्थान	विवरण
1. ग्रामिण मिटिंग	किनसरिया(मांडण)	जैव विविधता विशय
2. ग्रामिण मिटिंग	गांगवा	जैव विविधता विशय
3. रैली	खिदरपुरा(किनसरिया)	मा.वि.के छात्रों द्वारा
4. प्रतियोगिता	खिदरपुरा(किनसरिया)	मा.वि.के छात्रों द्वारा
5. कार्यशाला	नड़वा(किनसरिया)	सर्वजनिक स्थल
6. वृक्षारोपण	गांगवा	रा.मा.वि.प्रांगण
7. वृक्षारोपण	नड़वा(किनसरिया)	सा.स्थल सड़क

सोशियल एक्शन एण्ड मोबिलाईजेशन पार्टीसिपेट्री समिति

कम्युनिटी (सम्पर्क) संस्थान्

SAMPRC

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

अप्रैल 2010–मार्च 2011

मुख्य कार्यालय

राजपथ कॉलोनी कार्यालय तहसील के पीछे परबतसर
जिला नागौर (राज.)
सम्पर्क नं.–9413131783,9983156578

पंजीयन कार्यालय

फतहगढ़,वाया–सरवाड़,जिला अजमेर (राज.)